>

Title : Need to take urgent steps to address the problems in snow fall affected areas in Himachal Pradesh.

डॉ. राजन सुशान्त (कांगड़ा): आदरणीय सभापति जी, हिमाचल प्रदेश की ऊंची पर्वत शृंखलाओं में पिछले कुछ दिनों से भारी हिमपात होने से बहुत से मार्ग अवरूद्ध हो गये हैं, रास्ते कट गये हैं। परिणामस्वरूप वहां की जनता को बहुत सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अभी हमारे यहां शीतकालीन वार्षिक परीक्षाएं हो रही हैं। उन परीक्षा केन्द्रों तक सामान पहुंचाने के लिए जम्मू-कश्मीर के डोडा और किश्तवाड़ जिले की लम्बी दूरी से यह काम करना पड़ा है। इसके लिए मैं जम्मू-कश्मीर सरकार को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने सुरक्षा भी प्रदान की है, लेकिन लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। इसके साथ-साथ हमारे जो कबाइली जिले हैं, वहां यह स्थिति है कि कुछ लोग कुल्लू की तरफ बीज लेने आये थे, लेकिन वे वहीं फंस गये और वापिस नहीं जा पा रहे। इस कारण खेतों तक बीज नहीं पहुंच रहा है।

तीसरा, हमारे कुछ जिलों में आठ ग्राम पंचायतों में 80 गांव ऐसे हैं, जहां गरीब लोगों को राशन का कोटा नहीं मिला है। उनको आटा, चावल, दाल, तेल आदि कुछ नहीं मिला है। वे गरीब लोग बाजार से खरीदने की स्थिति में भी नहीं हैं। वहां भूखमरी की स्थिति आ गयी है। वहां पर हेलिकॉप्टर के जितने साधन मुहैया कराने चाहिए, वे भी नहीं कराए जा रहे हैं। कुछ गरीब लोग पिछले दिनों जब तेरह हजार फीट के रोहतांग दर्रे से आ रहे थे, तो वे वहां बर्फीले तूफान के कारण दब गये, मर गये जिनमें से सात लोग झारखंड के भी मरे हैं। इसके साथ-साथ जम्मू-कश्मीर और पंजाब के लोग भी जख्मी हुए हैं। मैं भारत सरकार से यह प्रार्थना करना चाहता हूं कि गरीब जनता को तुंत राशन पहुंचाने, किसानों को बीज उपलब्ध कराने और जो बीमार लोग हैं, उनको स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए वहां हेलिकॉप्टरों की बहुत ज्यादा जरूरत है। राज्य सरकार को ज्यादा से ज्यादा हेलिकॉप्टर मुहैया कराए जायें, ताकि इन कबाइली जिलों के, लाहौल स्पीति, चम्बा, कुल्लू और पहाड़ी इलाकों के लोग इस आपदा से बच पायें। यह मैं भारत सरकार से विनम्र प्रार्थना करना चाहता हूं।